

एक संस्था बन चुके हैं हैदर रजा : अजय सिंह

■ कला संवाददाता

भोपाल, 18 फरवरी। 'रजा महज एक प्रतिष्ठित चित्रकार भर नहीं हैं, वे एक संस्था बन चुके हैं।' संस्कृति मंत्री अजय सिंह ने यह बात रजा पुरस्कार वितरण समारोह में मंगलवार को कला परिषद के सभागार में कही। मशहूर चित्रकार सैयद हैदर रजा इस समारोह में भाग लेने के लिए फ्रांस से विशेष रूप से भोपाल आए। इस वर्ष का रजा पुरस्कार प्रेमशंकर शुक्ल को कविता के लिए और मनीष रत्नपारखे (इंदौर) को चित्रकला के लिए प्रदान किया गया।

अपने सम्मान से अभिभूत रजा ने नई पीढ़ी के चित्रकारों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसा काम करो जिस पर सभी को गर्व हो। उन्होंने कहा कि उनका भरपूर प्रयास है कि भारतीय चित्रकारों की प्रदर्शनी फ्रांस में हो। 87 वर्षीय इस बुजुर्ग चित्रकार ने कहा कि पहले कला में दो भाग देशी और विदेशी हुआ करते थे, अब यह फर्क

नहीं बचा है। समारोह में फ्रांस के गोर्वियो शहर के मेयर मिशेल इस्नार और रजा की नृत्यांगना पत्नी मेरी फ्रांस से अशेल भी उपस्थित थीं।

इस मौके पर युवा चित्रकारों को राज्य स्तरीय चित्रकला पुरस्कार भी दिए गए। इनमें शामिल हैं— प्रकाश पाटीदार (इंदौर), शबनम शाह (इंदौर), किशोर डागले (भोपाल), मोना रघुवंशी (भोपाल) और अर्चना मिश्रा (भोपाल), भोपाल की वीना, शाइस्ता शेख और इंदौर की विनीता चांडक तथा नागेश शर्मा को प्रशंसा पत्र भी दिए गए।

प्रो. मंजूषा गांगुली ने रजा साहब के अवदान पर भाषण दिया और कला परिषद के सचिव प्रो. कमला प्रसाद ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर युवा चित्रकारों की चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ भी हैदर रजा ने किया। संस्कृति मंत्री अजय सिंह ने रजा पर केंद्रित कलावार्ता के अंक का विमोचन किया। विशेषांक का संपादन आनंद सिन्हा ने किया है।